नैक (NAAC) द्वारा "A" ग्रेड प्राप्त
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya, Wardha
(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)
(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)
जनसंपर्क विभाग- Ph./Fax: 07152-252651 मो.9960562305
इ-मेल: mgahvpro@gmail.com वेबसाइट : www.hindivishwa.org

प्रदर्शनकारी कला विभाग में अमेरिका की लक्ष्मी देसाई का विश्व सिनेमा और रंगमंच पर व्याख्यान

अमेरिका में भी रंगमंच लोकप्रिय माध्यम – लक्ष्मी देसाई

वर्धा, दि. 10 : अमेरिका के बोस्टन शहर में रहनेवाली भारत वंशीय प्रसिद्ध स्त्रीवादी लेखिका तथा कला समीक्षक लक्ष्मी देसाई का प्रदर्शनकारी कला विभाग में विश्व सिनेमा तथा विश्व रंगमंच पर व्याख्यान सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता विभागाध्यक्ष डॉ. ओमप्रकाश भारती ने की।

अमेरिका के वर्तमान रंगमंच की जानकारी देते हुए सुश्री देसाई ने कहा कि अमेरिका में आज भी रंगमंच उतनाही लोकप्रिय है। डीज़नी जैसी विश्व प्रसिद्ध कंपनी भी थिएटर के कारोबार में सक्रिय हुई है। ब्रोडवे जैसे प्रतिष्ठित रंगमंच के साथ प्रयोगशील रंगमंच का कार्य भी उल्लेखनीय तरीके से जारी है। अमेरिकन फिल्में अपनी नई जमीन खोज रही है और तकनीक के साथ मानवीय

मूल्यों को भी अधिक महत्व दे रही है। फिल्मों और रंगमंच का निर्माण बड़ी गंभीरता के साथ किया जा रहा है। किंतु वहां का असली परिदृश्य हम तक पहुंच नहीं पाता है। अपने व्याख्यान में अमेरिकन और यूनानी रंगमंच में परिलक्षित नारीवादी पक्ष पर भी सुश्री देसाई ने प्रकाश डाला। मोनालिसा, रन अवे ब्राइड, ब्लॅक स्वान जैसी फ़िल्मों के तथा मीडिया, हेलेन ओएफ़ ट्रॉय, ईडीपस जैसे नाटकों की समीक्षा भी उन्होने अपने व्याख्यान में की। श्रोता, दर्शक तथा कलाप्रेमी अमेरिकन समाज के मनोविज्ञान की भी जानकारी उन्होंने दी। छात्रों द्वारा पूछे गये कई सवालों का जबाब भी उन्होंने दिया।

व्याख्यान का संयोजन तथा संचालन डॉ. सतीश पावड़े ने किया। स्वागत डॉ. अश्विनी कुमार सिंह ने किया तथा आभार डॉ. सुरभि बिप्लव ने माना।